

नवल सवाल 20 1979

श/र/ - 800

न्यायालय अस्सिस्टेंट कलक्टर (प्रथम श्रेणी) / उपजिलाधिकारी हापुड़ (गाजियाबाद)
घा. सं. 56 / 2009 अन्तर्गत धारा-143 ज. वि. अ.
जय मों सावित्री एजुकेशन सोसायटी बनाम सरकार
ग्राम - रामपुर।

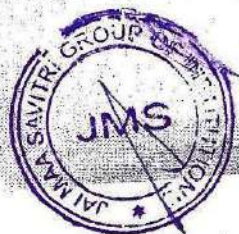
नवल निर्णय दि. 31/1/09

प्रस्तुत वाद में जय मों सावित्री एजुकेशनल सोसायटी (रजि.) के जे. 28 कवि नगर गाजियाबाद द्वारा जनरल सैक्रेटरी श्री राकेश सिंघल पुत्र श्री हंसराज सिंघल निवासी के जे. 28 कवि नगर गाजियाबाद जिला गाजियाबाद द्वारा प्रार्थना पत्र इस आशय से प्रस्तुत किया गया कि स्थित ग्राम रामपुर परगना व तहसील हापुड़ जिला गाजियाबाद के खाता सं. 112 खसरा संख्या 142 रकबा 2.6670 हेक्टेअर में से रकबा 1.3335 हेक्टेअर तथा खाता सं. 224 खसरा सं. 140 रकबा 2.7580 हेक्टेअर में से रकबा 1.4485 हेक्टेअर भूमि जय मों सावित्री एजुकेशनल सोसायटी (शिक्षण संस्थान) हेतु कय की गयी है जिसमें भवन निर्माण हो रहा है तथा कोई कृषि कार्य नहीं हो रहा है। अन्त में खसरा सं. 142 रकबा 1.3335 हेक्टेअर व खसरा सं. 140 रकबा 1.4485 हेक्टेअर को धारा 143 ज. वि. अधि. के अन्तर्गत अकृषिक घोषित करने की प्रार्थना की गयी है।

उक्त के सम्बन्ध में तहसीलदार हापुड़ से तथा हा.पि.वि. प्राधिकरण से जाँच करायी गयी। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण की कोई आख्या प्राप्त नहीं हुई है। तहसीलदार हापुड़ ने अपनी आख्या दिनांक 27.01.2009 में राजस्व निरीक्षक की आख्या जिसमें उल्लिखित है कि स्थित ग्राम रामपुर परगना व तहसील हापुड़ जिला गाजियाबाद में खसरा सं. 142 मि. रकबा 1.3335 हेक्टेअर व खसरा सं. 140 मि. रकबा 1.4485 हेक्टेअर माल अभिलेखों में जय मों सावित्री एजुकेशनल सोसायटी (रजि.) के जे. 28 कवि नगर गाजियाबाद द्वारा जनरल सैक्रेटरी श्री राकेश सिंघल पुत्र श्री हंसराज निवासी के जे. 28 कवि नगर गाजियाबाद के नाम संकमणीय भूमिधर दर्ज है। इस भूमि में कृषि नहीं हो रही है। भवन निर्माणाधीन है। रिपोर्ट सेवा में प्रेषित है, को तहसीलदार हापुड़ द्वारा संस्तुति सहित अग्रसारित किया गया है।

शासनादेश सं. 8164/5-49 ए./03 दि. 28.01.2004 में यह व्यवस्था दी गयी है कि कृषि भूमि का भू-उपयोग परिवर्तित होने पर उप-जिलाधिकारियों द्वारा अभियान चलाकर स्वप्रेरणा से धारा-143 के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी। प्रश्नगत आराजी आबादी क्षेत्रान्तर्गत स्थित है तथा इसे गैर कृषि उपयोग हेतु प्रयोग किया जाता है। माल अभिलेखों में कृषि दर्ज होने के कारण स्टाम्प अपवंचना हो रही है। अतः राजकीय हित में इस गैर कृषि प्रयोजनार्थ भूमि घोषित किया जाना उचित प्रतीत होता है।

मैंने पत्रावली का सम्यक अध्ययन किया। पत्रावली पर उपलब्ध तहसीलदार हापुड़ की आख्या दिनांक 27.01.2009 में उक्त भूमि को अकृषिक घोषित किये जाने हेतु संस्तुति की है तथा जनरल सैक्रेटरी श्री राकेश सिंघल द्वारा इस आशय का शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया गया है कि सरस्था के नाम कहीं भी 12.5 एकड़ से ज्यादा भूमि नहीं है तथा 143 ज. वि. अधि. के



स्थापन में कोई वैधानिक बाधा नहीं है। ऐसी स्थिति में मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि विवादित भूमि को अकृषिक घोषित किये जाने में कोई वैधानिक बाधा नहीं है।

आदेश

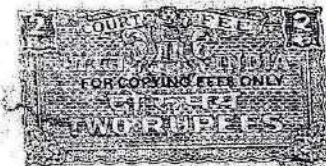
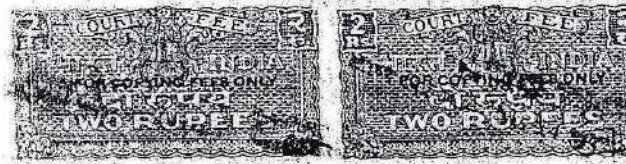
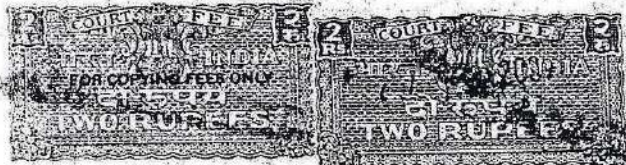
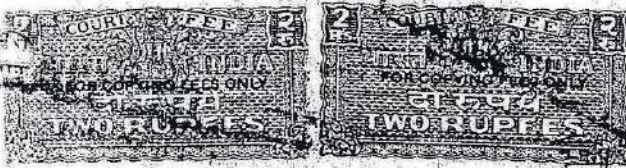
स्थित ग्राम रामपुर परगना व तहसील हापुड़ जिला गाजियाबाद में भूमि खाता सं. 112 कासरा संख्या 142 रकबा 2.6670 हेक्टेअर में से रकबा 1.3335 हेक्टेअर तथा खाता सं. 224 कासरा सं. 140 रकबा 2.7580 हेक्टेअर में से रकबा 1.4485 हेक्टेअर को तहसीलदार हापुड़ की प्राप्ति के आधार पर एवं शासनादेश के क्रम में स्टाम्प अपवचना रोकने के उद्देश्य से धारा 143-ज.वि.अ. के अन्तर्गत जय माँ सावित्री एजुकेशनल सोसायटी रजि. (शिक्षण संस्था) के. जे. 28 केवि नगर गाजियाबाद हेतु अकृषिक घोषित किया जाता है। जनरल सैक्रेटरी श्री राकेश सिचल द्वारा दिये गये शपथ पत्र अनुसार यदि उक्त शैक्षिक संस्था के नाम उ. प्र. में 12.5 एकड़ से अधिक भूमि पायी जाती है तो यह आदेश स्वतः ही शून्य हो जायेंगे। इस आदेश की प्रतिलिपि तहसीलदार हापुड़ को राजस्व अभिलेखों की दुरुस्ति हेतु तथा एक प्रति उपनिबन्धक हापुड़ को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जाये। अतः वादी को निर्देशित किया जाता है कि वह कोई भी निर्माण कार्य हा.पि.वि.प्रा./सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त करने के उपरान्त ही करेगा। पत्रावली बांद आवश्यक कार्यवाही दाखिल दफ्तर हो।

दिनांक- 03-01-2009

(राजेश्वर सिंह)

असिस्टेंट कलेक्टर (प्रथम श्रेणी) / उपजिलाधिकारी
हापुड़

7
12-008
311109
311109
311109



TRUN 0789
S. D. M.
HAPUR

